# पाठ १ हम पंछी उन्मुक्त गगन के

## कविता का सारांश

यह कविता प्रसिद्ध कवि शिवमंगल सिंह 'सुमन' द्वारा रचित है। इस कविता में पक्षियों के माध्यम से स्वतंत्रता की महत्ता को दर्शाया गया है। पंछी कहते हैं कि वे पिंजरे में कैद होकर नहीं रह सकते, चाहे उन्हें वहाँ सभी सुविधाएँ मिलें। वे खुले आकाश में उड़ना, झीलों के किनारे खेलना और ऊँचाइयों को मापना पसंद करते हैं।

पंछी कहते हैं कि बंधन चाहे प्यार का हो या सुरक्षा का, वह उन्हें स्वीकार नहीं। वे अपना जीवन स्वतंत्रता से, अपनी मर्जी से जीना चाहते हैं। वे किसी भी प्रकार की मर्यादा या सीमा को अपने पंखों पर लादना नहीं चाहते। उनके लिए असली सुख खुले आकाश, मस्तीभरे प्रवाह और प्राकृतिक जीवन में है।

कविता स्वतंत्रता, स्वाभिमान और प्रकृति के साथ मेलजोल का सुंदर संदेश देती है। यह मनुष्य को भी प्रेरित करती है कि वह किसी जीव को कैद न करे और सबको स्वतंत्रता से जीने का अधिकार दे।

## शब्दार्थ

- उन्मुक्त - खुला, बंधन रहित
- गगन - आसमान
- पुलकित - प्रसन्नता से भरे
- कनक - सोना
- कटुक - कड़वी
- निबौरी - नीम का फल
- कनक कटोरी - सोने से बना बर्तन
- स्वर्ण - सोना
- श्रृंखला - जंजीरें
- तरु - पेड़
- फुंगी - वृक्ष का सबसे ऊपरी भाग
- तारक - तारे
- सीमाहीन - असीमित
- क्षितिज - जहाँ धरती और आसमान परस्पर मिलते हुए प्रतीत होते हैं
- होड़ा-होड़ी - आगे बढ़ने की प्रतियोगिता

# प्रश्न-अभ्यास

## कविता से

**1. हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पंछी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?**

**उत्तर:** पंछियों को स्वतंत्रता प्रिय होती है। भले ही उन्हें पिंजरे में भरपूर खाना, आराम और सुरक्षा मिल जाए, लेकिन वे खुली हवा में उड़ना, नीले गगन में विचरण करना और प्रकृति के संग रहना पसंद करते हैं। वे कैद को सहन नहीं कर सकते, चाहे कैद कितनी भी सुख-सुविधाओं वाली क्यों न हो।

**2. पंछी मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन-सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं?**

**उत्तर:** पंछी मुक्त रहकर –

- आकाश में उड़ना चाहते हैं,
- खेतों में पानी पीना चाहते हैं,
- अपनी गति और उड़ान को खुलकर जीना चाहते हैं,
- तारों की छांव में विश्राम करना चाहते हैं,
- पर्वतों और वनों की सुंदरता को निहारना चाहते हैं।

**3. भाव स्पष्ट कीजिए –**

**"या तो पर्वत मेल बन जाता, या रगड़ रेत की जल जाती।"**

**उत्तर:** यह पंक्तियाँ पंछियों के अथक प्रयासों और इच्छाशक्ति को दर्शाती हैं। यदि उनके परों में उड़ने की शक्ति न होती, तो वे या तो पर्वत को काटकर रास्ता बना लेते या फिर रेत को इस तरह रगड़ देते कि उसमें से जल निकल आए।

## कविता से आगे

**1. बहुत से लोग पक्षी पालते हैं –**

**(क) पक्षियों को पालना उचित है या नहीं? अपने विचार लिखिए।**

**उत्तर:** पक्षियों को पालना उचित नहीं है क्योंकि वे स्वतंत्रता प्रिय जीव हैं। उन्हें पिंजरे में रखना उनकी आज़ादी छीन लेना है। इससे उनके स्वाभाविक जीवन पर असर पड़ता है और मानसिक व शारीरिक कष्ट होता है।

**(ख) क्या आपने या आपकी जानकारी में किसी ने कभी कोई पक्षी पाला है? उसकी देखभाल किस प्रकार की जाती थी, लिखिए।**

**उत्तर:** हाँ, मेरी दादी ने एक तोता पाला था। वह उसे फल, दाना और पानी देती थीं। वह पिंजरे में रहता था, लेकिन वह अक्सर दुखी और चुपचाप रहता था। अंततः हमने उसे छोड़ दिया ताकि वह स्वतंत्र होकर जी सके।

**2. पक्षियों को पिंजरे में बंद करने से केवल उनकी आज़ादी ही नहीं छिनती, बल्कि पर्यावरण भी प्रभावित होता है। इस विषय पर दस पंक्तियों में अपने विचार लिखिए।**

**उत्तर :**

- पक्षी पारिस्थितिकी तंत्र का अहम हिस्सा हैं।
- वे कीट नियंत्रण, परागण और बीज फैलाने में सहायक होते हैं।
- उन्हें पिंजरे में बंद करने से उनकी प्राकृतिक भूमिका बाधित होती है।
- पक्षियों की संख्या में गिरावट आती है।
- जैव विविधता पर खतरा बढ़ता है।
- ध्वनि प्रदूषण और संतुलन बिगड़ता है।
- पिंजरे में बंद रहने से वे मानसिक रूप से बीमार हो सकते हैं।
- उनका जीवन छोटा हो जाता है।
- पक्षी खुले वातावरण में ही स्वस्थ रहते हैं।
- हमें उनकी स्वतंत्रता और पर्यावरण दोनों की रक्षा करनी चाहिए।

## अनुमान और कल्पना

**1. क्या आपको लगता है कि मनुष्य की आधुनिक जीवन-शैली और नगरीकरण से जुड़ी योजनाएँ पक्षियों के लिए खतरनाक हैं? पक्षियों से रहित पर्यावरण में कई समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। उनसे बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए? इस विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करें।**

**उत्तर:**

वृक्षों की कटाई से घोंसले नष्ट हो रहे हैं।

मोबाइल टावरों की तरंगें पक्षियों को नुकसान पहुँचा रही हैं।

जलाशयों के सूखने से जलचर पक्षी गायब हो रहे हैं।

समाधान – वृक्षारोपण, पक्षी घर बनाना, जलाशय संरक्षित करना, संवेदनशीलता बढ़ाना।

**2. यदि आपके घर के किसी स्थान पर किसी पक्षी ने अपना बसेरा बना लिया है और किसी कारणवश आपको अपना घर बदलना पड़ रहा है, तो आप उस पक्षी के लिए किस प्रकार प्रबंध करना आवश्यक समझेंगे? लिखिए।**

**उत्तर:** मैं सबसे पहले उस पक्षी के घोंसले की सुरक्षा सुनिश्चित करूंगा। यदि संभव हो, तो नए स्थान पर उसका घोंसला सावधानीपूर्वक स्थानांतरित करूंगा या वैसा ही एक नया सुरक्षित स्थान तैयार करूंगा। मैं यह भी देखूंगा कि वह आराम से दाना-पानी पा सके और डरा न हो।

## अनुमान और कल्पना

**1. स्वर्ण-श्रृंखला और लाल किरण-सी में रेखांकित शब्द गुणवाचक विशेषण हैं। कविता से हूँढ़कर इस प्रकार के तीन और उदाहरण लिखिए।**

**उत्तर-** 1. कनक-तिलियाँ 2. कटुक-निबौरी 3. तारक-अनार

**2. 'भूखे-प्यासे' में द्वंद्व समास है। इन दोनों शब्दों के बीच लगे चिह्न को सामासिक चिह्न (-) कहते हैं। इस चिह्न से 'और' का संकेत मिलता है, जैसे-भूखे-प्यासे = भूखे और प्यासे।**

**इस प्रकार के दस अन्य उदाहरण खोजकर लिखिए।**

**उत्तर-**

1. दाल-रोटी – दाल और रोटी
2. अन्न-जल – अन्न और जल
3. सुबह-शाम – सुबह और शाम
4. पाप-पुण्य – पाप और पुण्य
5. राम-लक्ष्मण – राम और लक्ष्मण
6. सुख-दुख – सुख और दुख
7. तन-मन – तन और मन
8. दिन-रात – दिन और रात
9. दूध-दही – दूध और दही
10. कच्चा-पक्का – कच्चा और पक्का